क्षेत्रीय एप्लिकेशन सुरक्षा एवं ऑडिट प्रभाग, लखनऊ द्वारा डेवलपर्स हेतु एप्लिकेशन सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का 18 फरवरी 2026 को आयोजन

राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार क्षेत्रीय एप्लिकेशन सुरक्षा एवं ऑडिट प्रभाग, लखनऊ एवं प्रशिक्षण प्रभाग एनआईसी, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आउटसोर्स्ड डेवलपर्स हेतु एप्लिकेशन सुरक्षा विषय पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न समूहों से 95 डेवलपर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस सत्र का शुभारंभ **श्री अजय गोपाल भरतरिया, उप महानिदेशक एवं अपर राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (राज्य)** द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने एप्लिकेशन विकास में सक्रिय सुरक्षा उपायों के महत्व पर बल दिया तथा डिजिटल शासन प्रणालियों में विकसित हो रहे साइबर खतरों के परिदृश्य को रेखांकित किया।

संपूर्ण सत्र का समन्वयन करते हुए **श्री शैलेष कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एवं विभागाध्यक्ष** ने विकास प्रक्रियाओं में सुरक्षा के समावेशन की आवश्यकता पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा सुरक्षित कोडिंग के माध्यम से नागरिक डेटा एवं शासकीय प्लेटफॉर्म की दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व को प्रभावी रूप से रेखांकित किया।

तकनीकी सत्र क्षेत्रीय एप्लिकेशन सुरक्षा एवं ऑडिट प्रभाग, लखनऊ के सदस्यों द्वारा निम्नानुसार क्रम में संचालित किए गए:

- **श्री विनय दीक्षित, निदेशक (आईटी) एवं प्रभारी अधिकारी, क्षेत्रीय एप्लिकेशन सुरक्षा एवं ऑडिट प्रभाग, लखनऊ** द्वारा परिचयात्मक सत्र प्रस्तुत किया गया। उन्होंने एप्लिकेशन सुरक्षा के विभिन्न आयामों - तकनीकी, परिचालन एवं प्रशासनिक प्रभावों - का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया। साथ ही वास्तविक जीवन में सुरक्षा कमजोरियों के प्रभाव तथा संरचित सुरक्षा प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

- **सिक्योर एसडीएलसी, सुरक्षित कोडिंग सर्वोत्तम प्रथाएँ तथा OWASP टॉप 10 (वेब)** विषय पर सत्र **श्री रोहित कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक (आईटी)** द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में सॉफ्टवेयर विकास जीवन चक्र के प्रत्येक चरण में सुरक्षा के एकीकरण तथा OWASP मानकों के अनुरूप व्यावहारिक कोडिंग सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया।

- **सेशन प्रबंधन एवं सुरक्षित प्रमाणीकरण** विषय पर सत्र **श्री रविकर श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक (आईटी)** द्वारा लिया गया। इसमें सुरक्षित प्रमाणीकरण तंत्र, सुदृढ़ सत्र प्रबंधन तथा प्रमाणीकरण संबंधी सामान्य कमजोरियों के निवारण पर विस्तृत चर्चा की गई।

- **मोबाइल एवं एपीआई सुरक्षा** विषय पर सत्र **सुश्री अपर्णा खरे, संयुक्त निदेशक (आईटी)** द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में OWASP मोबाइल एवं एपीआई सुरक्षा जोखिमों, वास्तविक परिदृश्यों में होने वाले शोषण, डेवलपर्स द्वारा की जाने वाली सामान्य त्रुटियों तथा मोबाइल अनुप्रयोगों एवं बैकएंड एपीआई की सुरक्षा हेतु प्रभावी निवारक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आउटसोर्स्ड टीमों द्वारा विकसित एवं अनुरक्षित अनुप्रयोगों की सुरक्षा स्थिति को सुदृढ़ करना था। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चाओं एवं परिदृश्य-आधारित विश्लेषण में सहभागिता की, जिससे आधुनिक एप्लिकेशन खतरों एवं उनके निवारण उपायों के प्रति उनकी समझ और अधिक सुदृढ़ हुई। कार्यक्रम का समापन **श्री शैलेष कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एवं विभागाध्यक्ष** के समापन संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने निरंतर सुरक्षा जागरूकता एवं सुरक्षित विकास प्रथाओं के महत्व पर बल दिया।

Application Security Training
National Informatics Centre, Uttar Pradesh, Lucknow
18 February 2026

Interactive Security Questions

Secure SDLC
OWASP Top 10
Secure Coding

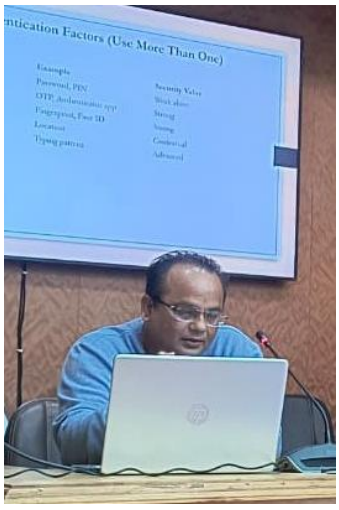
ntication Factors (Use More Than One)

****

Regional Application Security & Audit Division, Lucknow Organizes Training Program on Application Security for Developers

Under the directions of the State Informatics Officer (SIO), UP, the **Regional Application Security & Audit Division, Lucknow and Training Division, NIC UP** successfully organized a comprehensive Training Program on Application Security for outsourced developers on 18th February 2026 from 10:00 AM to 2:00 PM. The program witnessed enthusiastic participation from 95 developers from various groups.

The session was commenced by **Shri Ajai Gopal Bhartariya**, **DDG and ASIO (State),** who motivated the participants with his insightful address. He emphasized the critical importance of proactive security measures in application development and highlighted the evolving threat landscape in digital governance systems.

Coordinating the entire session, **Shri Shailesh Kumar Srivastava**, **Senior Director (IT) and HoD**, elaborated on the need to integrate security into development processes and effectively emphasized the importance of secure coding in ensuring the long-term protection of citizen data and government platforms.

The technical sessions were conducted by the members of Regional Application Security & Audit Division, Lucknow, in the following sequence:

- An introductory session was delivered by **Shri Vinay Dikshit**, **Director (IT) and Officer-In-Charge,** Regional Application Security & Audit Division, Lucknow, who provided a brief overview of the dimensions of application security, outlining its technical, operational, and governance implications. He set the context by discussing real-world impacts of security vulnerabilities and the necessity of structured security practices.
- **Secure SDLC, Secure Coding Best Practices, and OWASP Top 10 (Web)** were presented by **Shri Rohit Kumar Sharma**, **Joint Director (IT).** The session emphasized integrating security across the Software Development Life Cycle and highlighted practical coding safeguards aligned with OWASP standards.
- **Session Management and Secure Authentication** was delivered by Shri **Ravikar Srivastava**, **Joint Director (IT).** The session focused on secure authentication mechanisms, robust session handling, and mitigation of common authentication-related vulnerabilities.
- The session on **Mobile and API Security** was delivered by **Miss Aparna Khare**, **Joint Director (IT)**. The session provided in-depth insights into OWASP Mobile and API security risks, real-world exploitation scenarios, common developer mistakes, and effective preventive controls to secure mobile applications and backend APIs.

The training program aimed to strengthen the security posture of applications developed and maintained by outsourced teams. Participants actively engaged in discussions and scenario-based analysis, enhancing their understanding of modern application threats and mitigation strategies.

The training concluded with a closing address by Shri Shailesh Kumar Srivastava, Senior Director (IT) and HoD, emphasizing the importance of continuous security awareness and secure development practices.

Application Security Training
National Informatics Centre, Uttar Pradesh, Lucknow
18 February 2026

Interactive Security Questions

Secure SDLC
OWASP Top 10
Secure Coding

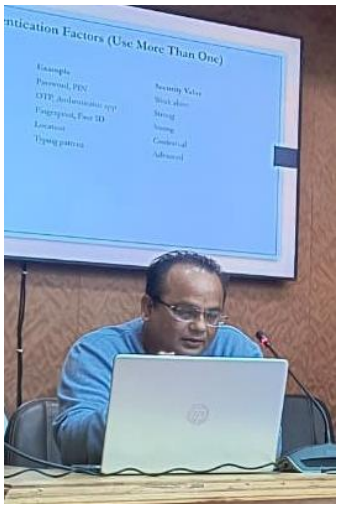
ntication Factors (Use More Than One)

****